आशीर्वाद की रोशनी से जगमगाया जिले का कोना-कोना

जिले भर में प्रज्ज्वलित हुए साढ़े तीन लाख से अधिक दीप, शहर के व्यंकटेश लोक परिसर में सजी 20 हजार से अधिक दीपों की अद्भुत श्रृंखला

नवभारत न्यूज

सतना 17 सितम्बर. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 25 वर्षों की अविरल सेवा-संकल्प यात्रा को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक संचालित किए जा रहे सेवा संकल्प अभियान-2026 के अंतर्गत गुरुवार की शाम जिले भर में आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया।

आयोजन में सतना जिले के प्रमुख आईकोनिक, सार्वजनिक स्थलों पर सामूहिक आशीर्वाद का दिया के कार्यक्रम आयोजित हुए।

इसी प्रकार नगरीय निकायों के प्रत्येक वार्ड तथा ग्राम पंचायतों में भी सामूहिक दीप प्रज्जवलन तथा योजनाओं के लाभांवित हितग्राहियों ने अपने-अपने घरों में आशीर्वाद का दिया प्रज्जवलित किया। अभियान के तहत दीपों का प्रज्ज्वलन कर प्रधानमंत्री के जन्मदिन के अवसर पर उनके दीर्घायु, स्वस्थ एवं यशस्वी जीवन की कामना की गई। व्यंकटेश लोक परिसर के आडीटोरियम हॉल में प्रधानमंत्री के चित्र की आकर्षक रंगोली सजाई गई थी। इसके अलावा उत्साही नागरिकों ने परिसर में स्टैण्डी और सेल्फी प्वाइंट के पास प्रधानमंत्री के 76वें जन्मदिन पर केक काटकर खुशियां मनाई। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आशीर्वाद का दीया के सामूहिक कार्यक्रम जिले भर के प्रतिष्ठित और प्रतीकात्मक स्थलों पर भी आयोजित किये गये। इनमें नागौद के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल खैरूआ धाम परिसर में आयोजित सामूहिक आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम में नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी और जनपद उपाध्यक्ष नागौद प्रेम कुमारी लोधी भी शामिल हुई।

दीपों की रोशनी में नहाया व्यंकटेश लोक परिसर

शहर में व्यंकटेश लोक परिसर में जिला प्रशासन एवं नगर पालिक निगम सतना के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित आशीर्वाद का दीया सामूहिक कार्यक्रम में आकर्षक दीपोत्सव और दीप मालिकाओं की सजावट का अद्भुत दृश्य देखने को मिला। यहा व्यंकटेश लोक परिसर में लगभग 20 हजार से अधिक दीपकों का सामूहिक प्रज्ज्वलन किया गया। दीपों की मनोहारी श्रृंखला ने पूरे परिसर को आलोकित कर दिया और उपस्थित नागरिकों ने उत्साहपूर्वक कार्यक्रम में भागीदारी निभाई।

इनकी रही उपस्थिति

इस मौके पर नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी, सांसद गणेश सिंह, महापौर योगेश ताम्रकार सहित अनेक जनप्रतिनिधियों और राज्य शासन से सतना जिले के लिए नियुक्त प्रभारी सचिव नगरीय विकास एवं आवास श्री बी.एस. जामोद, कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस, पुलिस अधीक्षक हंसराज सिंह, नगर निगम आयुक्त डॉ. नागार्जुन बी. गौडा, सीईओ जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह, अपर कलेक्टर विकास सिंह सहित सभी वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों और नागरिकों ने दीप प्रज्जवलन किया।

सभी महत्वपूर्ण स्थलों पर दीया जले

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आशीर्वाद का दीया के सामूहिक कार्यक्रम संपन्न हुए। सतना शहर में नगर निगम अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास परिसर उतैली, संतोषी माता तालाब परिसर सतना, रामदरबार मंदिर यादव पेट्रोल पंप के पास, अमौधा तालाब परिसर, पं. अटल बिहारी बाजपेयी मेडीकल कॉलेज सतना, दादा सुखेन्द्र सिंह स्टेडियम सतना, जिला कार्यालय दीन दयाल पार्क भरहुत नगर, प्रधानमंत्री आवास परिसर कृपालपुर में भी आशीर्वाद दीया के तहत जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों द्वारा दीप प्रज्जवलन कर सेवा संस्कार समर्पण और जनभागीदारी का संदेश दिया।

इंसाफ़ के लिए धरने पर बैठने को विवश पीड़िता का परिवार

तमाम आश्वासन सिर्फ बयानों तक सीमित

नवभारत न्यूज

सतना, 17 सितंबर, विट्स कॉलेज में पढ़ने वाली बीबीए की छात्रा के साथ हुई मारपीट के मामले में कोलगवा थाने में सामान्य धाराओं में दर्ज की गई प्राथमिकी से असंतुष्ट पीड़िता के परिजनों ने पुलिस अधीक्षक से उचित कार्रवाई के लिए ज्ञापन सौंपा था. आश्वासन के 48 घंटे बाद भी प्राथमिकी में कोई परिवर्तन नहीं किया गया. जिसके चलते न्याय के लिए परिजन धरने पर बैठने के लिए मजबूर हो रहे हैं.

विट्स कॉलेज की बीबीए की छात्रा के साथ हुई मारपीट से उपजे विवाद का अंत होता नहीं दिख रहा छात्रा के साथ हुई मारपीट और उसके बाद वायरल वीडियो में जिस तरह सुनियोजित ढंग से छात्रा की सहपाठी छात्राओं द्वारा पिटाई कर वीडियो बनाया गया जिसे इंस्टाग्राम के जीसी ग्रुप में वायरल कर छात्रा की निजता भंग की गई इस पूरे मामले को लेकर छात्रा के परिजन अब न्याय के लिए थाने में बैठने को मजबूर हैं दरअसल परिजनों का कहना है कि कोलगवा थाना प्रभारी द्वारा इस पूरे मामले को दबाने का प्रयास शुरू से ही किया जा रहा है परिजनों का कहना है कि थाना प्रभारी द्वारा प्राथमिकी दर्ज करते समय पीड़िता के कथन को दरकिनार कर मामूली धाराओं पर प्राथमिकी दर्ज कर जांच के बाद धाराएँ बढ़ाने की बात कही गईं थी, लेकिन घटना के कई दिन बीत जाने के बाद भी अभी तक घटना से जुड़ी मूल धाराओं को प्राथमिकी में नहीं जोड़ा गया इसके अलावा आरोपी लड़कियों के पुरुष मित्र के खिलाफ़ पुलिस ने पीड़िता को लगातार संबंध में आने बात किए जाने के लिए दबाब बनाए जाने को लेकर उसे प्राथमिकी में आरोपी नहीं बनाया जिससे असंतुष्ट पीड़िता के परिजनों ने पुलिस अधीक्षक को थाना प्रभारी की कार्यशैली और धाराएँ बढ़ाए जाने को लेकर शिकायती आवेदन दिया था, पीड़िता के परिजनों का कहना है कि पुलिस अधीक्षक ने प्राथमिकी मे विधि अनुरूप धाराएँ जोड़ने का आश्वासन दिया था.

पुलिस से निष्पक्ष न्याय का नहीं रहा भरोसा

पीड़ित छात्रा के परिजनों का कहना है की इस पूरे मामले में पुलिस की भूमिका संदिग्ध है ऐसा लग रहा जैसे थाना प्रभारी किसी दबाव की वजह से आरोपियों का बचाव कर रहे हैं पीड़ित को बार बार कथन के लिए थाना बुलाना उल्टे सीधे सवाल पूंछना और पूरा मामला जाँच के आश्वासन तक सीमित रखना इस ओर संकेत करता है.

जिले में फसल क्षति का आंकलन 18 दिन बाद भी अधूरा

कृषि विभाग की कार्यशैली पर उठे सवाल

नवभारत न्यूज

सतना, 17 सितंबर जिले में अतिवृष्टि और बारिश से फसलों को हुए नुकसान को 18 दिन बीत चुके हैं, लेकिन कृषि कल्याण विभाग अब तक फसल क्षति का सर्वे पूरा नहीं कर पाया है।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बाढ़ और अतिवृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों में नुकसान का जल्द और वास्तविक आकलन कर राहत की कार्रवाई के निर्देश दिए थे। इसके बावजूद जिले में सर्वे की प्रक्रिया अभी तक पूरी नहीं होने से प्रभावित किसानों को राहत के लिए इंतजार करना पड़ रहा है।

बारिश थमी, लेकिन सर्वे की रफ्तार नहीं बढ़ी-जिले के कई क्षेत्रों में लगातार हुई बारिश के कारण खेतों में पानी भरने से फसलों को नुकसान पहुंचा था। बारिश थमने के बाद किसानों को उम्मीद थी कि राजस्व और कृषि विभाग

की टीमें खेतों का निरीक्षण कर नुकसान का आकलन जल्द पूरा करेंगी। लेकिन करीब ढाई सप्ताह गुजरने के बाद भी सर्वे का काम पूरा नहीं हो सका है। ऐसे में किसानों के सामने नुकसान की भरपाई और राहत राशि को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है।

मुख्यमंत्री के निर्देश के बावजूद देरी-अतिवृष्टि और बाढ़ से हुए नुकसान को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अधिकारियों को प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर नुकसान का वास्तविक और जल्द आकलन करने के निर्देश दिए थे। शासन स्तर से सर्वे में तेजी लाने के निर्देश के बावजूद जिले में 18 दिन बाद भी प्रक्रिया पूरी नहीं हुई है।

राजस्व विभाग कर रहा सर्वे : आशीष

कृषि कल्याण विभाग के उप संचालक आशीष पांडेय ने बताया कि फसल क्षति का सर्वे राजस्व विभाग द्वारा कराया जा रहा है। सर्वे पूरा होने के बाद रिपोर्ट प्राप्त होगी, जिसके आधार पर ही बारिश से प्रभावित किसानों की संख्या और फसलों को हुए वास्तविक नुकसान की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

ओवर रेटिंग को लेकर दुकान के सामने धरने पर बैठे ग्राहक

देर तक चले हंगामे और धरने के बाद दुकानदार ने चस्पा की रेट लिस्ट

नवभारत न्यूज

सतना 17 सितंबर. वैसे तो जिले भर की अधिकांश शराब दुकानों में अधिकतम खुदरा मूल्य से अधिक रुपए वसूलने की शिकायतें पिछले काफी समय से आ रही हैं.

लेकिन यह मामला तब तूल पकड़ता नजर आया जब निर्धारित दर से अधिक रुपए वसूले जाने से बिफरे लोग शराब दुकान के सामने हंगामा करते हुए धरने पर बैठ गए. सोशल मीडिया में वाइरल होने के बाद जब जिम्मेदारों ने संबंधित ठेकेदार को चेतावनी दी तक कहीं जाकर शराब दुकान में रेट लिस्ट चस्पा करते हुए निर्धारित दर पर बिक्री की जाने लगी. प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले के कोठी क्षेत्र में स्थित शराक की दुकान में अधिकतम खुदरा मूल्य की तुलना

में अधिक रुपए वसूले जाने को लेकर कुछ लोगों द्वारा आपत्ति जताई गई. दुकान में मौजूद कर्मचारियों ने बताया कि शराब के रेट बढ़ गए हैं, जिसे बढ़े हुए रेट पर बेचा जा रहा है. यह सुनकर ग्राहकों ने मांग की कि शराब दुकान में रेस्ट लिस्ट चस्पा की जाए. रेट लिस्ट के आधार पर वे कीमत अदा करेंगे. लेकिन दुकान के कर्मचारियों को आनाकानी करता देख हंगामा बढ़ने लगा. लिहाजा देखते ही देखते लगभग आधा सैकड़ा लोग दुकान के सामने एकत्रित हो गए और धरना देना शुरु कर दिया. लोगों का कहना था कि शराब दुकान संचालक द्वारा प्रत्येक ब्रांड की शराब की निर्धारित कीमत से अधिक रुपए वसूले जा रहे हैं, जो कि अवैध है. कुछ ही देर में मामला सोशल मीडिया में भी वाइरल होने लगा. जिसके जरिए घटनाक्रम की जिम्मेदारी विभागीय जिम्मेदारों तक भी पहुंच गई. बताया गया कि स्थानीय स्तर के विभागीय जिम्मेदार द्वारा शराब ठेकेदार को फोन पर चेतावनी देते हुए मामले को जल्द हैण्डल कर लेने की ताकीद की गई. जिसे देखते हुए दुकान संचालक द्वारा कुछ देर बाद ही दुकान पर रेस्ट लिस्ट टांग दी गई. रेस्ट लिस्ट के आधार पर शराब की बिक्री सुनिश्चत होती देख लोगों ने अपना धरना समाप्त कर दिया.

कार्यशैली पर लगातार सवाल

शहर सहित जिले भर की अधिकांश शराब दुकानों में देशी अथवा विदेशी शराब को निर्धारित दर की तुलना में 20 रु से लेकर 50 रु तक अवैध वसूली की शिकायतें पिछले काफी समय से आम हैं. नियमों की बात की जाए तो शराब दुकान पर अधिकृत रेट लिस्ट के साथ-साथ आबकारी अधिकारी/निरीक्षक का नंबर स्पष्ट तौर पर लिखा होना चाहिए. ताकि किसी तरह की अवैध वसूली की सूचना फौरन दी जा सके. लेकिन इन नियमों की कितना पालन होता है यह बात किसी से छिपी नहीं है. वहीं लोगों का यह भी कहना है कि शराब दुकानदार द्वारा अधिक रुपए लिए जाने की शिकायत जब कभी की भी जाती है, तो आबकारी विभाग के जिम्मेदार ग्राहकों के बजाए ठेकेदार के पक्ष में खड़े नजर आते हैं.

कार में मिली 63 बल्क लीटर मदिरा

नवभारत न्यूज

सतना 17 सितंबर. आबकारी विभाग की टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए एक कार को रोककर उसकी जांच की. कार ममें 63 बल्क लीटर अवैध मदिरा पाए जाने के कारण एक ओर कार चालक को गिरफ्तार कर लिया गया. वहीं अवैध शराब सहित कार को भी जब्त कर लिया गया.

वृत्त प्रभारी सतना क्रमांक 2 निलेश गुप्ता से प्राप्त जानकारी के अनुसार मुखबिर के जरिए अवैध शराब ले जाए जाने की सूचना मिली थी. जिसके आधार पर टीम ने बचवई मोड़ के निकट घेराबंदी करते हुए एक कार को जांच के लिए रोका. कार की जांच करने पर 300 पाव देशी प्लेन और 50 पाव मसाला यानी कुल 63 बल्क लीटर अवैध शराब पाई गई. जिसकी कीमत 27 हजार 750 रु आंकी गई. अवैध शराब का परिवहन करते पकड़े जाने पर एक ओर जहां आरोपी दीपेंद्र जायसवाल पिता हीरालाल उम्र 28 वर्ष निवासी सोहौला के विरुद्ध आबकारी अधिनियम की धारा 34 1 व 2 के अंतर्गत कार्रवाई की गई. वहीं दूसरी ओर घटना में प्रयुक्त कार को भी जब्त कर लिया गया.

जिला अस्पताल में रक्तदान शिविर से हुई सेवा संकल्प अभियान की शुरूआत

नवभारत न्यूज

सतना 17 सितम्बर. सतना जिले में सेवा संकल्प अभियान की शुरूआत सरदार वल्लभ भाई पटेल जिला चिकित्सालय सतना में आयोजित वृहद रक्तदान शिविर से हुई।

रक्तदान शिविर में बडी तादाद में युवाओं और कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भागीदारी करते हुए रक्तदान किया। इस अवसर पर जिला चिकित्सालय सतना में पंजीयन

काउंटर पर रक्तदाताओं का विधिवत पंजीयन कर उनके ब्लड ग्रुप और अन्य जांचे की गई। तत्पश्चात जिला चिकित्सालय के एक वार्ड में लगे शिविर में क्रमशः ले जाकर रक्तदान कराया गया। सतना नगर निगम के महापौर योगेश ताम्रकार ने स्वयं अपना रक्तदान किया।

विस अध्यक्ष तोमर आज प्रवास पर सतना आएंगे

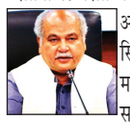

सतना 17 सितम्बर. मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर 18 सितम्बर प्रातः 2.30 बजे महाकौशल एक्सप्रेस से सतना आएंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार विधानसभा अध्यक्ष श्री तोमर सर्किट हाउस सतना में रात्रि विश्राम करने के पश्चात सतना से प्रातः 9.45 बजे सडक मार्ग से रीवा के लिए प्रस्थान करेंगे।

एक नजर में

जिला शिक्षा अधिकारी ने किया सम्मान

सतना। शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए राज्य शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित शिक्षक मोहित गर्ग को जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा सम्मानित किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती सलोनी शर्मा ने मोहित गर्ग के कार्यों की प्रशंसा की। शिक्षक मोहित गर्ग ने इस सम्मान के लिए आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी शिक्षा के स्तर को ऊंचा उठाने और बच्चों के विकास के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करने का संकल्प दोहराया। इस अवसर शिक्षक राकेश पटेल, रियाज खान और विभागीय अधिकारी और स्टाफ उपस्थित थे।

बाइरैक - इ युवा सेंटर का शुभारंभ

सतना, एकेएस विश्वविद्यालय, सतना में जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद, साइंस एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार से अनुदान प्राप्त बाइरैक - इ युवा सेंटर का शुभारंभ हुआ है जो कि पूरे मध्यप्रदेश में और राष्ट्र स्तर पर ए के एस विश्वविद्यालय को बायोटेक हब बनाने में मदद करेगा, इस सेंटर के माध्यम से विश्वस्तरीय बॉयोइनोवेशंस को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर बायो इनोवेशन चैलेंज तथा अंतरराष्ट्रीय सूक्ष्मजीव दिवस के अवसर पर आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम के प्रथम दिवस का आयोजन गुरुवार को ए-ब्लॉक स्थित केंद्रीय सभागार में किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्री पारस कोषे एवं सुश्री नंदिनी शर्मा ने किया, जबकि संपूर्ण कार्यक्रम का समन्वय डॉ. माही चौरे, अर्पित श्रीवास्तव , डॉ सौरभ सिंह गौर, और डॉ विवेक कुमार अग्निहोत्री ने किया। कार्यक्रम का आयोजन 17 एवं 18 सितंबर को निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार किया गया था। कार्यक्रम में 300 से अधिक विद्यार्थियों एवं युवा प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

वरिष्ठ कार्डियक सर्जन डॉ. युगल मिश्रा होंगे मुख्य वक्ता

सतना, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन सतना एवं भारत विकास परिषद के संयुक्त तत्वावधान में *दिल की बातें, हम भी जानें* विशेष हृदय स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन 27 सितंबर को टाउन हॉल, सतना में किया जा रहा है। इसमें देश के वरिष्ठ कार्डियक सर्जन डॉ. युगल मिश्रा होंगे मुख्य वक्ता होंगे.

यूपीआई के बदले नियम आम आदमी के जेब पर पड़ेंगे भारी

नवभारत न्यूज

सतना, 17 सितंबर, यूपीआई को लेकर बदले गये नियमों का असर आम उपभोक्ताओं पर पड़ेगा इसको लेकर असमंजस बरकरार है.

इस मामले में व्यापारी व आम उपभोक्ता कुछ भी कहने की स्थिति में नहीं है हलांकि ज्यादातर का मानना है कि इससे आम लोगों की जेब कटेगी.

डिजिटल पेमेंट भविष्य की जरूरत है यूपीआई का इस्तेमाल सभी आयु वर्ग के उपभोक्ता करते हैं ऐसे में किसी तरह का अतिरिक्त शुल्क सीधे तौर पर उपभोक्ता यानी आम आदमी की ज़ेब में असर डालेगा।
सतीश सुखेजा अध्यक्ष चैंबर

ट्रांजेक्शन चार्ज लगाया जाना ग़लत है इसे पूरी तरह नि:शुल्क रखा जाये ताकि ग्राहक पर अतिरिक्त बोझ ना पड़े और डिजिटल भुगतान को बढ़ावा मिल सके इससे सरकार भी डिजिटल भुगतान से पैसे के इस्तेमाल पर नज़र रख सकती है।
कैलाश ऐलानी कपड़ा व्यापारी

सतना जैसे टियर-2, टियर-3 शहरों में 70त्न से अधिक डिजिटल पेमेंट यू पी आई से होता है। भले ही कहा जा रहा है कि ग्राहक से चार्ज नहीं लिया जाएगा, पर व्यापारी अपने घाटे को बचाने के लिए बिक्री मूल्य में बढ़ोतरी करेगा.
मनोज कटारे, महामंत्री चेंबर

डिजिटल पेमेंट ने आम उपभोक्ताओं के ज़ेब में कैश रखने की झंझट खत्म कर दी थी यूपीआई उपभोक्ता के साथ- साथ व्यापारियों के लिए भी सुविधाजनक है लेकिन यूज़र को यूपीआई एरेंडली बनाने के बाद ट्रांजेक्शन चार्ज लेना ग़लत है.
उमेश सिंह पप्पू पूर्व अध्यक्ष

जवान सिंह कॉलोनी में सिंह स्वरूप में विराजे गजानन बन रहे आकर्षण का केंद्र

नवभारत न्यूज

सतना, 17 सितंबर। गणेश चतुर्थी के अवसर पर शहर में जगह-जगह भगवान श्री गणेश की प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं।

सोनझारी के राजा की अनोखी प्रतिमा श्रद्धालुओं के बीच विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। सिंह स्वरूप की भव्य आकृति और आकर्षक साज-सज्जा श्रद्धालुओं का ध्यान अपनी ओर खींच रही है। जवान सिंह कॉलोनी में स्थापित सोनझारी के राजा की प्रतिमा कटनी से मंगाई गई है। प्रतिमा में भगवान श्री गणेश को सिंह स्वरूप वाली भव्य आकृति के

साथ विराजमान किया गया है। पंडाल में फूलों से तैयार आकर्षक मेहराब, रंग-बिरंगी सजावट और रोशनी की व्यवस्था की गई है। पीले और सुनहरे रंगों से सजे पंडाल में प्रतिमा की भव्यता देखते ही बन रही है।

सात साल पहले घर से शुरू हुआ गणेशोत्सव-जवान सिंह कॉलोनी उत्सव समिति के गणेशोत्सव की शुरुआत करीब सात साल पहले घर में प्रतिमा स्थापित करने से हुई थी। इसके करीब तीन साल बाद आयोजन को सार्वजनिक रूप दिया गया और बड़े पंडाल में गणेश प्रतिमा स्थापित कर उत्सव मनाया जाने लगा।

कॉलोनी का उत्सव बना : चिराग

चिराग दुबे ने बताया कि हमारा उद्देश्य और विचार यही रहता है कि यह आयोजन केवल समिति तक सीमित न रहे, बल्कि पूरी कॉलोनी का उत्सव बने। कॉलोनी के सभी लोग इसमें शामिल हों और अपना सहयोग दें।

मन को शांति मिलती है : दिनेश

दिनेश उइके ने बताया कि इस तरह के धार्मिक आयोजन करने से मन को खुशी और शांति मिलती है। हमारी यही इच्छा है कि भविष्य में भी ऐसे आयोजन निरंतर होते रहें और इसी तरह लोगों का सहयोग व जुड़ाव बना रहे।

हर वर्ग का मिलता है सहयोग : दीपक

दीपक उइके ने बताया कि गणेश उत्सव जैसे बड़े आयोजन किसी एक व्यक्ति के प्रयास से संभव नहीं होते। इसमें समाज के हर वर्ग और सभी लोगों का सहयोग जरूरी होता है। सभी के सहयोग से आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न होता है.